कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 10 **PGDT–003**

अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. डी. टी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

पी.जी.डी.टी.-03 : व्यावहारिक अनुवाद के विविध स्तर और क्षेत्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

1. सारानुवाद क्या है और यह भावानुवाद से किस प्रकार भिन्न है ? सारानुवाद के लक्षित गृहीता वर्ग का विस्तृत विवरण दीजिए। 20

अथवा

आशु अनुवाद की विशेषताएँ बताते हुए इसकी सीमाओं और संभावनाओं पर विचार कीजिए।

2. निम्नलिखित वाक्यों का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : 5×2=10

(i) कोविड-19 और मौसमी इन्फ्लुएंजा के बढ़ते मामलों को देखते हुए केंद्र सरकार ने अस्पतालों की तैयारियों की जाँच करने के उद्देश्य से मध्य अप्रैल में दो दिन का राष्ट्रव्यापी मॉकड्रिल अभियान चलाने का निर्णय लिया।

(ii) शनिवार को 'अर्थ ऑवर' पर दिल्लीवासियों ने एक घंटे तक अपने घरों और कार्यस्थलों की बत्तियाँ एवं अन्य बिजली उपकरण बंद रखकर 279 मेगावाट बिजली की बचत की और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

(iii) जलवायु परिवर्तन के कारण चाय फसलों के उत्पादन में कमी आ रही है और उत्पादन लागत भी बढ़ रही है।

(iv) बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था को और आगे ले जाने के लिए देश के सीमावर्ती और तटीय इलाकों में भी बैंकों को सुविधा केंद्र खोलने चाहिए।

(v) ज्यादातर पर्सनल कंप्यूटरों में अपने कंप्यूटर प्रोसेसर लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली इंटेल कंपनी के संस्थापक गार्डन मूर का शुक्रवार को 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

3. निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए : 5×2=10

(i) We remember the persons who have laid their lives with pleasure for the sake of the country and have a sole motive to free the country from British rule.

(ii) India is a developing nation surrounded by problems, where the right direction of education has not been fixed even after seven decades of independence.

(iii) In order to surf through Internet, we have to connect our computer system to the main information gateway of the ISP through telephone line and modem.

(iv) Keeping the steadily growing trends of consumption in view, we would have to either find an alternative to mineral oil or increase its production to meet our oil requirements without importing it.

(v) The management reserves the right to accept or reject the lowest of any quotations and further to accept the whole or any part of the quotations.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** अनुच्छेदों का हिंदी में अनुवाद कीजिए : 15×3=45

(क) Inspired by Africa's 'Great Green Wall' concept to combat desertification and land degradation, India on Saturday launched its own green wall project that will, through afforestation, cover roughly 1400 km long and five km wide green belt buffer around the Aravalli mountain range, covering parts of Gujarat, Rajasthan, Haryana and Delhi. ISRO's desertification and land degradation atlas of India shows that these areas showing more than 50% of their respective areas under desertification and land degradation.

This ambitious project will focus on agro-forestry and pasture (चरागाह) development to enhance the livelihoods of local communities. The newly-developed forests in the proposed green belt will also act as a barrier for the dust coming from the western side of the country to the Delhi-NCR (National Capital Region). This Aravalli Green Wall Project will not only increase the green cover and biodiversity of the Aravalli range, but also improve soil

fertility, water availability and climate resilience of the region. This project will benefit the local communities by providing them with employment opportunities, income generation and ecosystem services.

(ख) The Economic Survey of Delhi released on Monday said the total number of vehicles on the road reduced because the state government banned petrol and diesel vehicles that had lived out their stipulated lives of, respectively, 15 years and 10 years. Experts pointed out that the fewer registration of vehicles in Delhi did not mean reduction in their usage. CEO, International Forum for Environment, Sustainability and Technology (Forest) noted, 'over the years, new vehicles were being registered but the old vehicles weren't being taken off the roads. This is just cleaning up the registration data. Of the total 43.6 lakh, around 69% were two-wheelers. Only 13.1 lakh vehicles were cars and four-wheelers. Besides, the 10 and 15 years old vehicles going off the road will have a marginal impact on air quality.' It

was also pointed out that, 'however, there is no information on how many vehicles are running in the city as the data only pertains to communicative registration of motor vehicles'.

(ग) The ability to effectively manage crisis is an essential component of every successful organisation, and to do so requires thorough planning and a prompt and adaptable response to each crisis as it emerges. The escalation of the situation might have devastating effects on the nation's infrastructure, population, economy, and position in the international community. The landscape of crisis management has been significantly reshaped in recent years as a result of the growing availability of several technologies related to social media. Because of these transformations, previously unimaginable forms of social connection are now feasible and offer new pathways to pursue. Communication, data collecting, and analysis are all three areas that have seen significant improvements because of the broad availability of software tools such as 'Online Discussion Forums' etc. Companies

shouldn't ignore the possibility that social media might make a bad situation much worse; even though it could assist to avoid a crisis from getting out of hand.

(घ) Why differentiate between coal and natural gas, when both are fossil fuels ? It is a question of climate justice and most importantly, the feasibility of moving at speed and scale to reduce fossil fuel emissions (उत्सर्जन) responsible for heating up the Planet. The fact is, roughly 70% of the world's population have not contributed to the stock of emissions in the atmosphere but are today highly dependent on coal for energy. Richer countries have made the transition from coal to natural gas, which emits roughly half the carbon dioxide emitted by coal, in addition to methane. But given their enormous appetite for energy, these countries' past and current emissions are high, totally disproportionate to their share of global carbon budget. Now, the burden of transition to clean energy has been shifted to countries that are least responsible for the stock of emissions and least capable of making the switch. This is not only unjust

but also unrealistic. It makes the fight against climate change even more intractable and difficult.

5. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** अनुच्छेद का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : 15

(क) लेखाकरण से संबंधित कार्य के लिए कई विकसित देश भारत पर निर्भर होते जा रहे हैं। यही कारण है कि अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त अरब अमीरात (यू.ए.ई.) सहित कई देशों से लेखाकरण से संबंधित काम और इस क्षेत्र से जुड़े पेशेवरों की माँग लगातार बढ़ रही है। भारत के सेवा निर्यात में लेखाकरण के अलावा, लेखा-परीक्षा और बहीखाता लेखन की हिस्सेदारी बढ़ रही है। ब्रिटेन के कारोबारियों के लेखाकरण का अधिकतर कार्य भारत में किया जा रहा है। कनाडा जैसे देशों में लेखाकरण कार्य करने वालों की भारी कमी है। यू.ए.ई. भी काफी हद तक भारत पर निर्भर करता है। वहाँ आगामी एक जून से 'निगम कर' लागू होने जा रहा है। इसलिए वहाँ बड़ी संख्या में भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट की जरूरत

होने वाली है। इस संदर्भ में वस्तुस्थिति यह है कि सिंगापुर ने तो भारत के चार्टर्ड एकाउंटेंट (सी.ए.) को भारतीय डिग्री के आधार पर ही वहाँ प्रैक्टिस करने की अनुमति दे दी है। ब्रिटेन ने भी 'आपसी मान्यता-समझौता' (एम.आर.ए.) किया है, जिसके अंतर्गत भारतीय सी.ए., ब्रिटेन में दो पेपरों की परीक्षा उत्तीर्ण करके वहाँ प्रैक्टिस कर सकते हैं। भारत की 'सर्विस एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल' के अनुसार, वर्ष 2019 में इस क्षेत्र में कुल सेवा निर्यात 204 अरब डॉलर था। वस्तुतः पिछले सात वर्षों से लेखाकरण निर्यात 8-10 प्रतिशत की दर से लगातार बढ़ रहा है।

(ख) भारत के उच्चतम न्यायालय ने तथाकथित पुरुषवादी सोच पर अंकुश लगाने की पहल की है। उच्चतम न्यायालय ने लैंगिक समानता का पक्ष लेते हुए अदालतों को पुरुषवादी सोच को बढ़ावा न देने की नसीहत दी है। शीर्षस्थ न्यायालय ने कहा है कि सिर्फ बेटा ही वंश आगे बढ़ाता है या बुढ़ापे में माता-पिता का सहारा बनता है, इस तरह की टिप्पणियाँ न चाहते हुए भी पुरुषवादी धारणा को

आगे बढ़ाती हैं और अदालतों को इनसे बचना चाहिए। न्यायालय ने यह भी कहा कि सिर्फ बच्चे के लिंग (लड़का या लड़की होने) के आधार पर संवैधानिक अदालतें हालात को गंभीर और खराब नहीं मान सकतीं। उच्चतम न्यायालय ने ये टिप्पणियाँ 21 मार्च को सात वर्ष के बच्चे का अपहरण और हत्या के मामले में दोषी की फाँसी की सजा को उम्रकैद में बदलते हुए कीं। न्यायालय ने फैसले में साफ किया कि दोषी को कम से कम 20 वर्ष की सजा काटनी होगी। मामला तमिलनाडु का है। वहाँ के उच्च न्यायालय ने चार बच्चों में से इकलौते बेटे के अपहरण कर हत्या किए जाने को ज्यादा गंभीर अपराध माना था और दोषी को मौत की सजा सुनाई थी। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि इस प्रकार की पुरुषवादी धारणा को आगे बढ़ाने वाली सोच से अदालतों को बचना चाहिए।

× × × × × × ×